

कृषि सलाहकार सेवा

मई 2022 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ

- यदि फसल दूध भरण की अवस्था में हैं, तो गंधी बग और इल्लियों के संक्रमण की संभावना हो सकती है। जब गंधी बग कीटों की संख्या (2 बग/पूंजा) से अधिक हो जाती है तो इमिडाक्लोप्रिड 6% + लैम्ब्डा-साइहलोथ्रिन 4% एसएल 300 मिली/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। इल्लियों के संक्रमण के मामले में, क्विनलफॉस 25ईसी 400 मिली/एकड़ की दर से या क्लोरपाइरीफॉस 20ईसी 500 मिली/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- बीज के लिए, फसल में फूल आने पर अन्य जाति के पौधों आदि को खेत से हटा देना चाहिए।
- धान के दानों के बिखरने से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए धान की फसल में बालियां जब 80-85% तक पक जाए तब फसल काट लें।
- धान के दानों में नमी की मात्रा को भंडारण से पहले 1-2 दिनों के लिए धूप में सुखाकर 14% तक नमी को कम करना चाहिए।
- धान / चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग' का उपयोग करें या काटे गए धान को सुरक्षित भंडारण के लिए उपयुक्त तरीके से ढक कर उचित बैग में और ढेर में भंडारण करें।
- भंडारित अनाजों में संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्यूमीनियम फॉस्फाइड की 3 टिकियां / टन अनाज (कुल 9 ग्राम) टिकियां दर से उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद कंटेनरों में धूमक दें (आवास घरों में उपयोग न करें) या बिना जगह छोड़े अनाज की बोरियों को मोटी तिरपाल से ढक दें। टिकिया को स्टैक में

रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन को पूरा करने के बाद अवशेष को हटाने में मदद करता है। गैस का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी / रेत / चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत के साथ प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की बिना ढके हुए रखें।

- चूंकि ओडिशा के अधिकांश भाग में पहले से ही पर्याप्त मात्रा में ग्रीष्मकालीन वर्षा हो चुकी है, इसलिए भूमि की तैयारी ऊपरीभूमि और वर्षा आधारित निचली क्षेत्रों में की जानी चाहिए, जहां सीधे बीज वाले धान की खेती की जानी है।
- धान के खेतों में मिट्टी की नमी की उपलब्धता के साथ ग्रीष्मकालीन जुताई शुरू करें।
- अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित प्रक्षेत्रों जैसे विश्वसनीय स्रोतों से मध्यवर्ती गहरा जल के लिए वर्षाधान, दुर्गा, सीआर धान 501, सरला और गायत्री तथा गहरा जल स्थिति के लिए सीआर धान 500, सीआर धान 502 (जयंती धान), सीआर धान 503 (जलमणि), सीआर धान 505, सीआर धान 507 (प्रशांत) जैसी चावल की किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की व्यवस्था की जा सकती है।
- ऊपरीभूमि सीधी बीज वाली धान के लिए विश्वसनीय स्रोतों से सीआर धान 100 (सत्यभामा), सीआर धान 101 (अंकित), सहभागीधान, फाल्गुनी, वंदना, अंजलि, खंडगिरी चावल की किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की व्यवस्था की जा सकती है।
- अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित प्रक्षेत्रों जैसे विश्वसनीय स्रोतों से उथली निचली भूमि में रोपित

चावल के लिए सीआर धान 307 (मौड़ामणि), सीआर धान 303, सीआर धान 304, एमटीयू 1001, एमटीयू 1010, नवीन, सीआर धान 310, सीआर धान 312, सीआर धान 314, डीआरआर 44, उन्नत ललाट, सीआर धान 301 (ह्यू), सीआर धान 800, सीआर धान 404, स्वर्णा, पूजा, स्वर्णा सब 1 और बीपीटी 5204 जैसी किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीज की व्यवस्था करें।

- तटीय लवणीय क्षेत्र के लिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वसनीय स्रोतों से सीआर धान 405 (लुणा सांखी), सीआर धान 403 (लुणा सुवर्णा), डीआरआर 39 और लुणीश्री जैसी लवण सहिष्णु किस्मों की व्यवस्था करें।
- सिंचित मध्यम और उथली निचलीभूमि में संकर किस्मों की खेती करने के इच्छुक किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिष्ठित बीज कंपनियों से अजय, राजलक्ष्मी, सीआर धान 701, केआरएच-2 और पीएचबी 71 जैसे संकर किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले विश्वसनीय बीज खरीदें।
- बाढ़ प्रवण उथली निचलीभूमि के लिए स्वर्णा सब-1, रणजीत सब-1, बहादुर सब-1, बिनाधान-11 और सांबा महसूरी सब-1 जैसी बाढ़ प्रवण सहिष्णु किस्मों की व्यवस्था करें। अर्ध गहराजल वाले क्षेत्रों के लिए विश्वसनीय स्रोत से सीआर 1009 सब-1 बीज खरीदें।
- सूखा प्रवण ऊपरी/उथली निचली भूमि के लिए विश्वसनीय स्रोत से सहभागीधान, डीआरआर 42, डीआरआर 44, बीआरआरआई धन 71, स्वर्णा श्रेया जैसी सूखा सहिष्णु किस्मों की बीज खरीदें।
- प्रतिरोपित धान में हरी खाद के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले ढैंचा के बीजों की व्यवस्था विश्वसनीय स्रोत से की जा सकती है।

- बुआई से पहले कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी (बाविस्टिन/गोल्डस्टिन) 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज या कप्टान 50% (कैपगोल्ड/कैप्टारा) या थिरम 75% (थिरम 75/थिरॉक्स) 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें। बीज उपचार के लिए 10 ग्राम/किलोग्राम बीज के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों/दुकानों से जैव कारक फॉर्मूलेशन जैसे ट्राइकोडर्मा धूल का उपयोग किया जा सकता है।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित धान विशेषज्ञ मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड और उपयोग करें।